भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

**लोक सभा**

लिखित प्रश्न सं. †251

सोमवार, 2 फरवरी, 2026/13 माघ, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

**अतुल्य भारत 2.0 पहल**

**†251. श्री पी. पी. चौधरीः**

**श्री विनोद लखमशी चावड़ाः**

**श्री विजय कुमार दूबेः**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अतुल्य भारत 2.0 पहल के अंतर्गत उन रणनीतिक क्षेत्रों का ब्यौरा क्या जिन पर विशेषकर ध्यान दिया गया है;

(ख) वैश्विक घटनाओं, साझेदारी और डिजिटल अभियानों सहित हाल के महीनों में किए गए प्रचार प्रयासों की प्रकृति क्या है;

(ग) भारत के पर्यटन स्वरूप को मजबूत करने और विदेशी पर्यटकों के बीच रुचि पैदा करने पर इन प्रयासों का क्या प्रभाव पड़ा है;

(घ) क्या सरकार ने अतुल्य भारत की प्रभावशीलता को मापने के लिए कोई मूल्यांकन तंत्र स्थापित किया है;

(ङ) यदि हाँ, तो उसका विवरण क्या है;

(च) क्या राजस्थान राज्य के लिए अतुल्य भारत 2.0 के तहत कोई राज्य-विशिष्ट या गंतव्य-केंद्रित प्रचार रणनीति, विशेष रूप से पाली लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में विरासत और सांस्कृतिक स्थलों के लिए, अपनाई गई हैं; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (छ): वर्ष 2017-18 के केंद्रीय बजट की घोषणा के हिस्से के रूप में, पर्यटन मंत्रालय ने अतुल्य भारत 2.0 अभियान की शुरूआत की। इस अभियान में देश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक आम संवर्धनात्मक दृष्टिकोण के स्थान पर अधिक लक्षित, बाजार-विशेष और विषय-आधारित रणनीति अपनाई गई है।

इस पहल के तहत, राजस्थान राज्य के पर्यटन स्थल और उत्पाद सहित भारत के विविध पर्यटन स्थलों और उत्पादों का चिह्नित विदेशी स्रोत बाजारों में संवर्धन किया जाता है।

संवर्धनात्मक कार्यकलाप डिजिटल और पारंपरिक मीडिया, दोनों के माध्यम से किए जाते हैं, जिनमें आधिकारिक पर्यटन वेबसाइटें, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मेलों और प्रदर्शनियों में भागीदारी शामिल हैं।

इस अभियान ने वैश्विक ब्रांड के रूप में भारत की मौजूदगी को सशक्त किया है और विदेशी पर्यटक आगमन में हुई उल्लेखनीय वृद्धि में योगदान दिया है।

*******